Carpenter's monthly newspaper

www.carpentersnews.com

कारपेंटर्स न्यूज

मासिक समाचार पत्र

R.N.I.No.MAHHIN/2005/16460 | Postel Regd. No. MCW/321/2022-24
Posted at Delisle Road, Mumbai-400013. On 20th of Every month | Published on Every 10 th day of the month

मुंबई | नवंबर 2022 | वर्ष : 17 | अंक : 12 | पृष्ठ : 16 | मूल्य : 2 रुपए

शिल्पकारों का देश के विकास में अहम योगदान ... पेज - 7

निर्माण कार्यों में लकड़ी का उपयोग विषय पर संगोष्ठी

हैदराबाद। ब्रिटिश कोलंबिया, कनाडा की प्रांतीय सरकार की क्राउन एजेंसी फॉरेस्ट्री इनोवेशन कंसल्टिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड इंडिया/ कैनेडियन वुड की ओर से हैदराबाद स्थित बीटीआर ग्रीन्स में 'निर्माण कार्यों में लकड़ी के उपयोग' विषय पर मैक प्रोजेक्ट्स के सहयोग से संगोष्ठी आयोजित की गई। कैनेडियन वुड की तकनीकी सेवाओं के सहायक निदेशक डॉ. जिमी थॉमस ने संगोष्ठी का संचालन किया।

कैनेडियन वुड के कंट्री डायरेक्टर प्रणेश छिब्बर ने सत्र का परिचय और उद्घाटन संबोधन दिया। लकड़ी निर्माण में विशेषज्ञ स्टेनली बर्लिन ने निर्माण कार्यों में लकड़ी के उपयोग पर विचारपूर्ण प्रस्तुति दी। आर्टियस इंटीरियर प्रोडक्ट्स की भावना शर्मा ने बिल्डिंग विद इंजीनियरिंग वुड पर अपने विशेषज्ञतापूर्ण विचार साझा की। मैक प्रोजेक्ट्स के उस्मान अली खान ने लकड़ी से निर्माण क्यों पर अपने विचार व्यक्त किए। तेलंगाना और आंध्र प्रदेश राज्यों के लिए कजाकिस्तान गणराज्य के मानद वाणिज्य दूत और मैक प्रोजेक्ट्स के प्रवर्तक एवं प्रबंध निदेशक डॉ. नवाब मीर नासिर अली खान ने कैनेडियन वुड विला के निर्माण में कैनेडियन वुड के साथ सहयोग करने के अपने अनुभव को साझा किए। इसके बाद कैनेडियन वुड के सहायक निदेशक बिजनेस डेवलपमेंट रितेश कुमार ने लोगों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

आर्किटेक्टों ने कहा – 'वुड इज गुड'

मुंबई। लकड़ी बहुत मजबूत होती है, अगर इसे जलने और सड़ने से बचाया जा सके तो इससे अच्छा बिल्डिंग मैटेरियल कोई नहीं है। विश्व वास्तुकला दिवस के अवसर पर कैनेडियन वुड की ओर से वास्तुकला में लकड़ी की भूमिका पर आयोजित वेबिनार में आर्किटेक्टों ने कहा कि जब इंसान ने घर बनाना सीखा, तब शुरुआत ही लकड़ी से हुई थी। सदियों पहले कमोबेश हर देश में लकड़ी से इमारतें बनाई जाती थीं। वजह ये थी कि यही वो चीज़ थी जो आसानी से उपलब्ध थी।

लकड़ी किस प्रकार से पारंपरिक निर्माण सामग्री का एक सर्वोत्तम विकल्प है, इस बारे में अपने विचार साझा करते हुए बेंगलुरु के आर्किटेक्ट संजीव डे, निदेशक - डिजाइन्स एवं प्रोजेक्ट्स, आरएसपी डिजाइन कंसल्टेंट्स ने कहा कि पानी के बाद कंक्रीट दुनिया में दूसरी सबसे अधिक उपयोग की जाने वाली सामग्री है। निर्माण क्षेत्र का वैश्विक ऊर्जा खपत 37 प्रतिशत है और यह क्षेत्र 24 प्रतिशत वैश्विक कार्बन उत्सर्जन के लिए भी जिम्मेदार है। यदि हम इसे कम करना चाहते हैं और भावी पीढ़ियों को बेहतर रूप में धरती देना चाहते हैं तो हमें अन्य निर्माण सामग्री के बजाय लकड़ी को उपयोग में लाना चाहिए। सही ढंग से रखरखाव किए जाने पर लकड़ी की प्रकृति नवीकरणीय होती है और इससे कार्बन का उत्सर्जन काफी कम होता है। साइट पर और साइट से परे लकड़ी से किए जाने वाले निर्माण कार्य काफी त्वरित भी होते हैं। मुंबई के आर्किटेक्ट प्रवीर सेठी, प्रधान वास्तुकार, स्टूडियो हिंज ने अपने डिजाइन में लकड़ी का उपयोग करने के अपने जुनून के बारे में कहा कि लकड़ी के बायोफिलिक गुणों को अधिक से अधिक बढ़ाने के लिए मैं अपने डिजाइन में प्राकृतिक संदर्भ शामिल करने के लिए हर संभव प्रयास करता हूं। पुनरुद्देशित लकड़ी का बहुउद्देशीय उपयोग एक और मजेदार तरीका है जिसके जरिए मैं रचनात्मक तरीके से लकड़ी के उपयोग को पसंद करता हूं।

लकड़ी के बायोफिलिक गुणों के बारे में बताते हुए लुधियाना के आर्किटेक्ट संजय गोयल, प्रधान आर्किटेक्ट, डिजाइनएक्स आर्किटेक्ट्स और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ आर्किटेक्ट्स, पंजाब चैप्टर के अध्यक्ष ने कहा कि बड़े शहरों में आपके चारों तरफ कंक्रीट ही कंक्रीट होता है। नतीजतन चिंता और अवसाद जैसी मानसिक बीमारियों के विकसित होने की संभावना अधिक होती है। जिस तरह से भारत में वन काटे जा रहे हैं और परिणामस्वरूप इसका वन्यजीवन गायब होता जा रहा है। इस तरह की बीमारियों की व्यापकता में वृद्धि की संभावना भी उसी रूप में बढ़ती जा रही है। भारत को प्रमाणित और टिकाऊ स्रोतों से लकड़ी का आयात जारी रखना चाहिए। टिकाऊ लकड़ी उत्पादों के आयात को अपनाना बहुत आसान हो सकता है, यदि सरकार टिकाऊ लकड़ी को बढ़ावा देना शुरू कर देती है और सब्सिडी प्रदान करती है या इसके लिए जागरूकता अभियान चलाती है। वेबिनार में श्रोताओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया, प्रजेंटेशंस दिए गए और नवीकरणीय प्राकृतिक सामग्री, लकड़ी का पूरा सेट बनाने और निर्माण कार्यों दोनों में ही विभिन्न तरीकों से लकड़ी के उपयोग में वास्तुकारों के योगदान के बारे में चर्चा की गई। परंपरागत निर्माण सामग्री की जगह पर लकड़ी का उपयोग करने और उसके द्वारा वैश्विक गर्मी को कम करने एवं इको-फ्रेंड्ली, टिकाऊ व ऊर्जा संरक्षण में सहायक घरों के निर्माण में आर्किटेक्ट्स की महत्वपूर्ण भूमिका को भी रेखांकित किया गया। कैनेडियन वुड भारत में लकड़ी के उपयोग और कनाडा के प्रशांत तट पर स्थित पश्चिमी प्रांत, बी.सी. कनाडा के वन उत्पादों के प्रयोग के लाभों का प्रचार-प्रसार कर रहा है। साथ ही, यह स्थिरतापूर्ण तरीके से प्रबंधित वनों से प्राप्त प्रामाणिक लकड़ी के उपयोग के बारे में काष्ठकारी उद्योग के बीच जागरूकता पैदा कर रहा है।

कारपेंटर ने राजा का सिंहासन बनाने का ऑर्डर रोका

मुंबई। दक्षिण अफ्रीका में एक भारतीय मूल के फर्नीचर बनाने वाले कारपेंटर ने शाही परिवार के पिछले ऑर्डर का बकाया भुगतान न किए जाने के कारण दो सिंहासन के ऑर्डर को रोक दिया। इस सिंहासन को बनाए जाने का ऑर्डर जुलू के नए राजा मिसिजुलू के लिए दिया गया था। इस सिंहासन में टम्बूटी लकड़ी का इस्तेमाल किया जाना था जो काफी दुर्लभ है, क्योंकि टम्बूटी के पेड़ 1200 वर्ष तक पुराने होते हैं।

48 वर्षीय मिसुजुलू को 29 अक्टूबर को आधिकारिक रूप से जुलू के राजा के तौर पर मान्यता दी गई। जुलू के दूसरे राजा के लिए नए सिंहासन को बनवाने का आर्डर विश्व प्रसिद्ध भारतवंशी फर्नीचर निर्माता राजीव सिंह को दिया गया था। लेकिन कई वर्षों से शाही परिवार द्वारा दुर्लभ टम्बूटी लकड़ी के फर्नीचर का पेमेंट नहीं किए जाने के कारण राजीव सिंह ने ऑर्डर तैयार करने से इनकार कर दिया।

वीकली संडे टाइम्स में छपी एक रिपोर्ट के अनुसार विश्व प्रसिद्ध भारतवंशी फर्नीचर निर्माता राजीव सिंह ने इस बारे में बात करते हुए कहा कि उन्होंने सात वर्ष पहले वहां के नए राजा के दिवंगत पिता

गुडविल ज्वेलिथिनी के लिए कई फर्नीचर बनाए थे, इन फर्नीचर के पूरे पैसे का अब तक भुगतान नहीं किया गया है। उन्होंने बताया कि नए राजा के सिंहासन के लिए मिले गए ऑर्डर के डिजाइन की शुरुआत अब तक नहीं की गई है। राजीव ने कहा कि पहले पुराने बकाया का भुगतान किया जाएगा उसके बाद नए सिंहासन को बनाने की शुरुआत की जाएगी। उन्होंने बताया कि जिन फर्नीचर के पैसे का भुगतान नहीं किया गया है उसमें मिसुजुलू के पिता और दिवंगत किंग ज्वेलिथिनी की सात पत्नियों के लिए सात सिंहासन, दस मेज और तीन टी ट्रे शामिल हैं। उन्होंने बताया कि वर्तमान में जिस दो सिंहासन का आर्डर दिया गया है उसके लिए भी फिलहाल कोई भुगतान नहीं किया गया है। उन्होंने बताया कि पिछले पेमेंट को पूरा करने के लिए वह वर्ष 2017 तक मांग रखते रहे लेकिन शाही परिवार ने उनकी इन मांग को अनदेखा कर दिया था।

राजीव सिंह विश्व प्रसिद्ध फर्नीचर निर्माता कुबेर ईदेव सिंह के बेटे हैं। कुबेर सिंह की नक्काशी पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है। उन्होंने सबसे पहले टम्बूटी लकड़ी के खूबसूरत नक्काशीदार फर्नीचर बनाकर विश्व भर में ख्याति हासिल की थी। राजीव के पिता के बनाए फर्नीचर भारत से लेकर दुनियाभर के कई राष्ट्राध्यक्षों को उपहार के तौर पर दिया जा चुका है। उनके बनाए टम्बूटी का बना ज्वैलरी बाक्स दिवंगत महारानी एलिजाबेथ द्वितीय को भेंट किया जा चुका है। कुबेर ईदेव सिंह के हाथ के बनाए उपहार दक्षिण अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला व थाबो मबेकी और अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन व जार्ज बुश को दिए जा चुके हैं।

दक्षिण अफ्रीका में जुलू एक कबीला है जो अपनी भाषा बोलते हैं। इस कबीले से जुड़े लोग पूर्वजों की आत्माओं में विश्वास करते हैं। इस कबीले के लोग उबंटू में विश्वास करते हैं, जिसका मतलब मानवता है। उनका मानना है कि इंसान धरती पर मौजूद अन्य प्रजातियों में सबसे श्रेष्ठ है।

विश्वकर्मा पूजा महोत्सव में भजन कीर्तन

नई दिल्ली। विश्वकर्मा विज्ञान विद्या विचारणी सभा की ओर से गोविंदपुरी में विश्वकर्मा दिवस मनाया गया। इस अवसर पर बच्चों ने कीर्तन किया। निशान सिंह नामधारी के जत्थे ने कीर्तन तथा व्याख्या से भगवान विश्वकर्मा के बारे में संक्षेप में बताया। सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक आयोजित इस समारोह में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। आई हुई संगत ने लंगर खाया, भगवान विश्वकर्मा की अरदास के बाद कार्यक्रम का समापन किया गया। मंदिर के प्रधान हरदीप सिंह मंकू, महासचिव हरदयाल सिंह देवगुण ने आये हुई संगत व गणमान्य व्यक्तियों का धन्यवाद किया। इस अवसर पर रामगढ़िया

बोर्ड दिल्ली के सदस्य जितेंदर पाल सिंह गागी,अवतार सिंह भुर्जी, केवल सिंह, मनमीत सिंह का स्वागत किया गया। हरि नगर में गुरूद्वारा रामगढ़िया सभा की ओर से विश्वकर्मा दिवस मनाया गया। हजूरी रागी भाई गुरचरण सिंह के जत्थे ने कीर्तन किया। कार्यक्रम सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक चला। इस समारोह में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। गुरूद्वारा रामगढ़िया सभा के प्रधान पविंदर सिंह, महासचिव सोहराब सिंह ने आए हुई संगत व गणमान्य व्यक्तियों का धन्यवाद किया।

कारपेंटर्स न्यूज

RNI NO. MAHHIN/2005/16460

संपर्क करें : Mo. 9320566633 | Email: carpentersnews@gmail.com

हमें फॉलो करें : Facebook.com/carpentersnews | Telegram: https://t.me/carpenters_news

मुंबई | नवंबर 2022 | वर्ष : 17 | अंक : 12 | पृष्ठ : 16 | मूल्य : 2 रुपए

विशाल भंडारे का आयोजन

यमुना नगर। उद्योग एवं व्यापार मंडल हरियाणा की कारपेंटर इकाई की ओर से कन्हैया चौक पर प्रभु विश्वकर्मा के भजन गायन के साथ विशाल भंडारा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अंबाला से दर्शन धीमान एवं उनकी टीम ने भजन कीर्तन व कथा की अति सुंदर प्रस्तुति दी।

HAR GHAR SURAKSHIT

A HOME SAFETY AWARENESS INITIATIVE BY GODREJ LOCKS

Godrej | LOCKS

THINK SAFETY, THINK GODREJ.

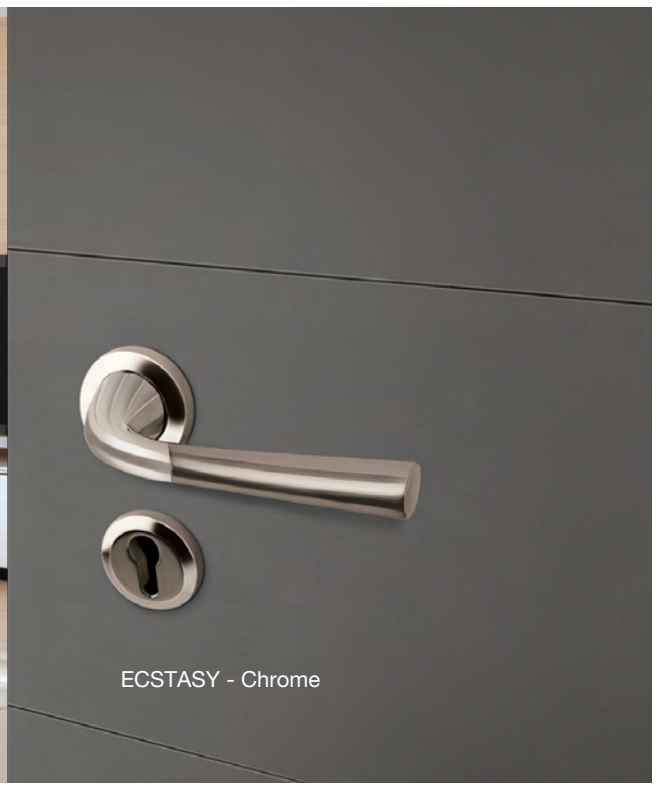

कैसा लगेगा आपको अगर अपने घर के सबसे चमत्कारी अनुभव से आपकी मुलाकात बाहरी दरवाजे पर हो?

पेश है गोदरेज के अल्ट्रा-स्टायलिश डिजाइनर हैंडल्स.

गोदरेज के हैंडल्स की डिजाइनर रेंज को बस एक ही इरादे के साथ बनाया गया है: आपकी धड़कनें बढ़ा देने के लिए. दिखने में आकर्षक होने के साथ-साथ ये हैंडल्स सुरक्षा को बढ़ाने तथा कामकाज को सुगम बनाने के लिए भी बने हैं. सीधे-सीधे कहें तो, ये डिजाइनर हैंडल्स आपके घर में स्वागत करने के लिए एक ख़ूबसूरत अंदाज़ है.

BM 01

NEH 16

NEH 17

1800 209 4543 | www.godrejlocks.com | GodrejLockingSolutionsandSystems

विश्वकर्मा दिवस : कामकाज बंद कर औजारों की हुई पूजा

जम्मू। दीपावली के दूसरे दिन बलिप्रतिपदा को भगवान विश्वकर्मा का दिन माना जाता है, जिसमें सभी कारीगर औजारों की पूजा कर भगवान के चरणों में प्रार्थना करते हैं कि उनका काम पूरे वर्ष अच्छी तरह से चलता रहे। कारीगर, इंजीनियर व अन्य मेहनतकश लोग श्री विश्वकर्मा भगवान को अपना इष्ट देव मानते हैं। विश्वकर्मा जयंती का यह पर्व सरकारी व गैर सरकारी इंजीनियरिग संस्थानों में भी मनाया जाता है। जम्मू से समाजसेवी बलवंत कटारिया ने 'कारपेंटर्स न्यूज़' को बताया कि जम्मू कश्मीर में विश्वकर्मा दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

श्री विश्वकर्मा दिवस के अवसर पर वार्षिक भंडारा का आयोजन नगरोटा तहसील बसोहली जिला कठुआ में किया गया।

जम्मू शहर के सबसे बड़े विश्वकर्मा मंदिर, डिगियाना क्षेत्र में विश्वकर्मा दिवस हर्षोल्लास के साथ आयोजित हुआ। विश्वकर्मा लाइब्रेरी न्यू प्लाट जम्मू की ओर से पहुंचाई गई विश्वकर्मा मैगजीन की प्रतियां वितरित हुई। इस कार्यक्रम में सुबह हवन, सत्संग और दोपहर बाद विशाल लंगर आयोजित किया गया। मंदिर कमेटी के प्रधान गुरमुख सिंह पठानिया, मोहन लाल, रामपाल चरगोत्रा आदि आयोजन करने वालों में प्रमुख थे। जम्मू कश्मीर के कठुआ जिले के विश्वकर्मा मंदिर में करीब डेढ़ हजार श्रद्धालुओं ने माथा टेका और भगवान विश्वकर्मा जी का आशीर्वाद प्राप्त किया। यहां पर बहुत बड़े लंगर का आयोजन किया गया था। विश्वकर्मा लाइब्रेरी न्यू प्लाट जम्मू की एक टीम विश्वकर्मा रिपोर्टर की प्रतियां बांटकर अपने मिशन को आगे बढ़ाती नजर आई। बलवंत कटारिया और जोगिंदर अंगोत्रा जम्मू विशेष तौर पर उपस्थित रहे। न्यू प्लाट जम्मू के इंचार्ज जोगिंदर अंगोत्रा ने विश्वकर्मा मैगजीन बांटी।

आयोजन करने बालों में मंदिर कमेटी के प्रधान करतार वर्मा, मास्टर रवि वर्मा, मास्टर जसवंत आदि शामिल रहे।

जम्मू शहर के सैनिक कालोनी के मंदिर में श्री विश्वकर्मा दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भगवान के दर्शन किए। हवन और पूजा अर्चना के बाद प्रदेश सभा की महिला इकाई की प्रधान वंदना सागर और भारी संख्या में महिलाएं शामिल हुई। विश्वकर्मा पत्रिका का वितरण भी हुआ। कर्नल सीडी मल्होत्रा, डा. नसीब चंद, राज चलोत्रा आयोजन करने वालों में प्रमुख थे।

जम्मू शहर के भगवती नगर के विश्वकर्मा मंदिर में हवन और जगराता आयोजित किया गया। दोपहर में भोज और सत्संग का भी आयोजन हुआ। आयोजकों में मंदिर कमेटी के प्रधान सरदार राजेन्द्र सिंह, राम सिंह और राकेश कुमार बिट्टू प्रमुख थे। विश्वकर्मा लाइब्रेरी

जिला जम्मू की आर.एस.पुरा तहसील में विश्वकर्मा दिवस पर विशेष झांकी निकाली गई। सुबह विश्वकर्मा मंदिर में हवन किया गया। शाम और दोपहर में लंगर आयोजित हुआ। झांकी में लगभग 500 लोगों ने भाग लिया जिनमें आस पास के गांव से आए हुए लोग भी शामिल थे। प्रदेश सभा के प्रमुख शशी वर्मा, मुख्य सचिव विजय कुमार, न्यू प्लाट लाइब्रेरी से जोगिंदर अंगोत्रा और बलवंत कटारिया, स्थानीय नेता रमेश बिल्ला इत्यादि शामिल हुए। आयोजकों में मास्टर कृष्ण सभ्रवाल प्रमुख रहे। झांकी कस्बे के मुख्य बाजारों से गुजर कर वापस मंदिर में समाप्त हुई। विश्वकर्मा लाइब्रेरी की टीम ने विश्वकर्मा रिपोर्टर मैगजीन की प्रतियां श्रद्धालुओं में वितरित की। जम्मू कश्मीर में सांबा जिले के मनोहर गांव में स्थित विश्वकर्मा मंदिर में भी हवन और पूजा अर्चना हुई। विश्वकर्मा लाइब्रेरी की ओर से बलवंत कटारिया और ऋतिक मल्होत्रा शामिल हुए और विश्वकर्मा मैगजीन की प्रतियां श्रद्धालुओं में बांटी। मनोहर के मंदिर में तरसेम लाल ने आयोजन में मुख्य भूमिका निभाई। कटड़ा और ऊधमपुर के विश्वकर्मा मंदिरों में विश्वकर्मा पूजा पर्व धूमधाम से मनाया गया। भारी संख्या में तकनीकी से जुड़े लोगों ने हिस्सा लिया और भगवान विश्वकर्मा का आशीर्वाद प्राप्त किया। कठुआ जिले की बसोहली तहसील के विश्वकर्मा मंदिर में भी विश्वकर्मा दिवस भक्ति भाव के साथ मनाया गया। बसोहली में कुलदीप काटल ने सभी को साथ में लेकर विश्वकर्मा पूजा का आयोजन किया।

सांबा जिले के मनोर में श्री विश्वकर्मा दिवस का आयोजन हुआ।

विश्वकर्मा दिवस के अवसर पर कठुवा में आयोजित लंगर में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

डिगियाना में आयोजित विश्वकर्मा दिवस समारोह में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया।

आर एस पुरा में विश्वकर्मा दिवस का आयोजन किया गया।

NIKHIL

Mahacol®
The Right Adhesive

महाकोल
जलवीर

Coverage: 48 – 53 sq. ft / kg

अथवा

Rs.15
TOKEN
PER POUCH

बेहतरीन कवरेज

वॉटर प्रूफ एडहेसिव

Since 1986
Suzu®
An ISO 9001:2015 Certified Company | CE Certified

36 Growing Years
INDIA'S 1ST STAINLESS STEEL SHACKLE Padlocks ...Series...
INDIA'S 1ST S.S HINGES MANUFACTURER Hinges ...Series...

FROM THE DESK OF CEO

Suzu Steel (India) is one of the leading Companies of India who pioneered in manufacturing of Locks & Door hardware Fittings. Suzu brand was established in 1986 under the guidance of Mr. Sushil Bansal and Mr. Brijbhushan Bansal from Rohtak (Haryana). The company has made tremendous progress in terms of adding manufacturing plants as well as penetrating market all over India. We are proud to see that Mr. Animesh Bansal, Director & Mr. Sachin Bansal, Director both are very progressive and positive about the future of SUZU brand in India. Their guiding force during last few years, company has developed more than 400 direct distributors and wholesalers catering to every corner of India and more than 20000 retailers where SUZU is providing quality products services. We are doing well into the Government , Builders & institutions sectors. During last 3-4 years company has expanded in various ranges in exports all over the world.

SUZU means Quality and appreciated in trade, Institutionals, Government Departments & International Client. We are continuously improving our Quality, Services and multiplying our network worldwide. We are aiming to give our presence within Top 4 Hardware brands of India in next 5 years time. We sincerely thank all our clients, trade partners & consumers for patronizing SUZU brands for their needs of locks & door hardware items.

Success Mantra

"Our entire Sales & Backup support team believe giving best quality & services to achieve consumer satisfaction" which is our success mantra.

Vijay Kumar Dutta
C.E.O.

~ Our Global Associates ~
DUBAI | GERMANY | U.K. | NEPAL | BANGLADESH | BHUTAN | SRI LANKA | NIGERIA | KENYA | TANZANIA

www.suzusteel.com | www.suzu.in

Find us on :

शिल्पकारों का देश के विकास में अहम योगदान

मुंबई। राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा ने कहा कि शिल्पकारों का देश के विकास में अहम योगदान रहा है। शिल्पकारों की मेहनत व कला के बदौलत ही भारत दुनिया में सोने की चिड़िया कहलाता था। जांगिड सेवा संघ मुंबई की ओर से कांदिवली (पूर्व) ठाकुर कॉलेज ऑडिटोरियम में आयोजित दीपावली स्नेह सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि रामचंद्र जांगड़ा ने कहा कि अंग्रेजों ने उद्योगों के जरिए शिल्पकारों को गरीब व पिछड़ों की श्रेणी में खड़ा कर दिया।

राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा का पुष्पगुच्छ से स्वागत कारपेंटर्स न्यूज के संपादक गंगाराम विश्वकर्मा, कारपेंटर्स वेलफेयर असोसिएसन के अध्यक्ष वशिष्ठ नारायण विश्वकर्मा व महामंत्री दिनेश विश्वकर्मा ने किया।

उन्होंने कहा कि शिल्पकारों द्वारा बनाए गए उपकरण व कलाकृतियां पूरी दुनिया में निर्यात की जाती थी और उसी के कारण भारत अर्थव्यवस्था के मामले में दुनिया में सोने की चिड़िया कहलाता था। आज भी भारत के एक-एक मंदिर की संपत्ति यूरोप के कई देशों से ज्यादा है। उन्होंने कहा कि विदेशियों ने भारत की संपदा को जमकर लूटा और अंग्रेजों ने शिल्पकारों की कला पर गहरा आघात किया और शिल्पकारों द्वारा बनाए गए जाने वाले उपकरणों, हथियारों व यंत्रों का निर्माण उद्योगों के जरिए शुरू कर दिया गया। जिसके कारण देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ शिल्पकार व मजदूर वर्ग गरीब हो गया। समारोह में विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट के अध्यक्ष मिताराम जांगिड, विश्वकर्मा चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष सूरजमल माकड, उद्योगपति शंकर कुलरिया, कृष्ण कुमार, भवन निमार्ता पुरुषोत्तम लाला जांगिड, संस्था अध्यक्ष हरलाल जांगिड, प्रदीप सुथार, गीतेश जांगिड आदि इस अवसर पर उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन दयानंद जांगिड व संगीता जांगिड ने किया।

सामाजिक एकता से बनेगी राजनैतिक ताकत

बीकानेर। उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व शिक्षा मंत्री व अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राम आसरे विश्वकर्मा ने कहा कि हमारी सामाजिक एकता से ही राजनैतिक ताकत बनेगी। श्री विश्वकर्मा सुथार सामूहिक विवाह समिति की ओर से बीकानेर में 10 वें सुथार समाजसामूहिक विवाह समारोह में विश्वकर्मा ने कहा कि राजस्थान के विश्वकर्मा समाज जिस तरह सामूहिक विवाह में दस हजार की संख्या में आया है, उसी तरह सामाजिक और राजनैतिक सम्मेलनों में भी आये।

उन्होंने कहा कि सामाजिक एकता बनाये बिना राजनैतिक ताकत नहीं मिल सकती। नौकरी, रोजगार व विकास के लिये राजस्थान सरकार में जब विश्वकर्मा समाज का मंत्री बनेगा तभी मान सम्मान स्वाभिमान रहेगा। 10 वें सुथार समाज सामूहिक विवाह समारोह में इस वर्ष 13जोड़ों के विवाह के बाद कुल विवाह की संख्या अब तक 111 हो गई है। समारोह में केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश बैराठी, विश्वकर्मा ब्रिगेड के प्रदेश अध्यक्ष सीताराम पांचाल, बीकानेर नगर निगम की महापौर सुशीला कंवर, भाजपा वरिष्ठ नेता रामगोपाल सुथार, बीजेपी ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष भंवर जांगिड़, सतपाल जांगिड़,निमेश सुथार सहित कई गणमान्य लोगों ने सुथार समाज के लोगों से खचाखच भरे धरणीधर मैदान में आयोजित कार्यक्रम में शिरकत की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बीकानेर मूल के मुंबई में व्यवसायी बुलाकी चुयल व हनुमान लेखराव रहे। समिति के अध्यक्ष हनुमान डोयल, संरक्षक कन्हैयालाल बरड़वा, वरिष्ठ समाजसेवी नवरतन धामू, शिवरतन कुलरिया आदि ने अतिथियों का स्वागत किया। मंच संचालन प्रदीप माकड़ ने किया।

लोचन विश्वकर्मा लौह शिल्पकार बोर्ड के अध्यक्ष नियुक्त

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राज्य शासन के विभिन्न आयोगों, निगम, मंडलों, बोर्ड और प्राधिकरणों के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष सहित अन्य रिक्त पदों पर नियुक्तियां की हैं। अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा के छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष दुर्ग जिले लोचन प्रसाद विश्वकर्मा को छत्तीसगढ़ लौह शिल्पकार बोर्ड के अध्यक्ष पर नियुक्ति किया गया है। उपाध्यक्ष पद पर जांजगीर चांपा जिले के विष्णु विश्वकर्मा, सदस्य पद पर बस्तर जिले के शंकर लाल विश्वकर्मा, सरगुजा जिले के गोविन्दराम विश्वकर्मा और रायपुर जिले के धनीराम विश्वकर्मा को नियुक्त किया गया है।

भगवान विश्वकर्मा ब्रह्मांड के इंजीनियर

पठानकोट। विश्वकर्मा सभा की ओर से प्रधान नरेश पिंकी व महासचिव नरेन्द्र कुमार टीटी की अध्यक्षता में विश्वकर्मा पूजा महोत्सव मनाया गया। समारोह में पंजाब के फूड सप्लाई मंत्री लालचंद कटारूचक्क, विधायक अश्विनी शर्मा, पूर्व मंत्री रमन भल्ला व मंत्री मास्टर मोहन लाल, विभूति शर्मा, नरेन्द्र काला, नितिन महाजन लाडी, रेखा शर्मा आदि उपस्थित रहे। लालचंद कटारूचक्क ने कहा कि भगवान विश्वकर्मा को दुनिया का सबसे पहला इंजीनियर और वास्तुकार माना जाता है। महासचिव नरेन्द्र कुमार टीटी ने बताया कि सुबह 8 से 10 बजे तक हवन यज्ञ का आयोजन किया गया। 10 बजे सभा के प्रधान की ओर से ध्वजारोहण किया गया। 11 बजे सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें प्रधान नरेश पिंकी ने अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया मेवल का सुथार महोत्सव

उदयपुर। श्री विश्वकर्मा सुथार विकास समिति मेवल क्षेत्र की ओर से श्री विश्वकर्मा मंदिर प्रांगण के श्री विश्वकर्मा मैदान लोदा में सुथार महोत्सव कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। 25 अक्टूबर को समाज के गणमान्यों पंचों ने भगवान श्री विश्वकर्मा की पूजा अर्चना कर खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। पांच दिवसीय इस टूर्नामेंट में क्रिकेट, वॉलीवाल, कबड्डी, खो - खो आदि खेल आयोजित किये गए। समाज स्तरीय इस टूर्नामेंट में मेवल बैठक के चालीस से अधिक गांवों की दर्जनों टीमों ने हिस्सा लिया, जिसमें समाज के सैकड़ों खेल प्रतिभाओं ने अपनी अपनी कला का प्रदर्शन किया।

30 अक्टूबर से श्रीमद विश्वकर्मा महापुराण कार्यक्रम की शुरुआत हुई। गाजे - बाजे से एक हजार कलश की भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जो गांव के विभिन्न रास्तों से होते हुए आयोजन स्थल पहुंची। राजकोट के शास्त्री अनिल प्रसाद पी जोशी ने संगीतमय कथा वाचन से श्रोता भाव विभोर हो गए और पूरे पंडाल में धार्मिक वातावरण बन गया। कार्यक्रम के तहत 'एक शाम श्री भगवान विश्वकर्मा के नाम' विशाल भजन संध्या हुई, जिसमें समाज के कलाकारों ने भजनों की प्रस्तुतियां देकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में मानस मंडल सागवाड़ा द्वारा सुंदरकांड किया गया। विधिवत पूर्णाहुति - कथा का समापन हुआ, जिसमें समाज के वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किये। श्री विश्वकर्मा सुथार विकास समिति मेवल क्षेत्र द्वारा रक्तदान शिविर व प्रतिभा सम्मान समारोह हुआ। जिसमें लगभग सात सौ से अधिक समाज की होनहार प्रतिभाओं को प्रशस्ति पत्र व ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। समिति की ओर से आयोजित प्रथम रक्तदान शिविर में 104 यूनिट रक्तदान हुआ। प्रवीण सुथार ने बताया कि इस महोत्सव में आने वाले समाज बंधुओं व धर्म प्रेमियों के लिए प्रतिदिन भोजन प्रसाद की व्यवस्था रखी गयी थी।

HARRISON®
Partners In Progress

अधिक बेचो
अधिक लाभ पाओ

SUVIDHA
SCHEME
OFFER !!

कारपेंटर
भाइयो के लिए
आकर्षक स्कीम
आज ही
रजिस्टर्ड
करें और पाएं मौका अनेको
उपहार
जितने का

Toll Free No. 1800-572-5795

नॉट:- ऊपर दर्शायी गई फोटो सिर्फ उपहार को दर्शाने हेतु है मिलने वाला उपहार इनमे से भिन्न हो सकता है : रंग मॉडल इत्यादि।

Find us:-

BE LOCAL BE VOCAL | BUY INDIAN PRODUCTS

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:-
www.harrisonlocks.com | email : Info@harrisonlocks.com

9355-015-108

R | P | Locks Company
Harrison House 13 & 14, Central Market, Punjabi Bagh (West), New Delhi-110026
E-mail: info@harrisonlocks.com / enquiry@harrisonlocks.com
Call 09310142401 for All India sale, Distributors & C&F Queries for institutional, Architects & Bulk Buyers Enquires

स्कैन करें
लाभ उठाएं।

HARRISON®
Partners In Progress

जब फायदे की हो बात
तो आओ HARRISON® Partners In Progress Suvidha Locks & Hardware Solutions के साथ

उपहार जितने की प्रक्रिया

स्टेप 1 — हरीसन सुविधा एप्प डाउनलोड करें और लॉग इन करें

स्टेप 2 — MRP — प्रोडक्ट पर लगे MPR स्टीकर को जमा करें हर एक MPR पर पॉइंट पाएं

स्टेप 3 — निर्धारित पॉइंट्स जमा होने पर, उपहार जीते

आज ही बने अपने क्षेत्र के हरीसन के सेवा प्रदाता (**Service Provider**) व पाएं लाभ ही लाभ

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
+91 9355015108

चेयरमैन क्लब कारपेंटर

SMART LED TV WINNER

REFRIGERATOR WINNER

SMART PHONE WINNER

Cash Price WINNER

"Carpenter पाठशाला"

To Train and Sharpen Carpenters skill with, latest products andTechnologies, at Harrison's Carpenter Pathshala.

हरीसन सुविधा एप्प डाऊनलोड करने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें

Toll Free No. 1800-572-5795

Website: www.harrisonlocks.com | Find us on :

• LOCKS • DOOR HARDWARE • FURNITURE HARDWARE• DOOR CONTROL • KITCHEN BASKETS & VELV'E' DRAWER TANTEM 'E' BOXES • SCREW & FASTENERS • E-SMART SECURITY SOLUTIONS • ADHESIVE DIVISION • BED FITTING • TOWER BOLT • MODULAR STORAGE

वी. विश्वनाथन आचारी : पैतृक कारीगरों के उत्थान के लिए संघर्षरत

आदि काल से भारत वर्ष की मानव सभ्यता, संस्कृति के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने वाले पैतृक कारीगरों की वर्तमान दुर्दशा के विरुद्ध संघर्षरत विचारक एवं सचेतक वी. विश्वनाथन आचारी के विचार सहित समस्याओं के समाधान हेतु की गई कार्यवाही पर एक सारगर्भित आलेख

आर्टिजंस वेलफेयर आर्गेनाईजेशन की प्रमुख मांगें

कारीगर मंत्रालय का गठन, राष्ट्रीय कारीगर विकास बोर्ड का गठन, राष्ट्रीय कारीगर आयोग का गठन, भारत के प्रत्येक ग्राम को आत्मनिर्भर बनाने हेतु कारीगरों को अपने कुटीर उद्योग स्थापित करने हेतु वित्तीय सुविधा के साथ उत्पादन एवं विपणन की व्यवस्था प्रदान की जाये, सभी कारीगरों को चिकित्सा भत्ता एवं पेंशन की सुविधा प्रदान की जाये, आधुनिक तकनीकी के साथ-साथ वंशानुगत कारीगरों के कौशल संवर्धन हेतु विश्वविद्यालय की स्थापना की जाये, वंशानुगत कारीगर अपने पैतृक गुण, अनुभव व कार्य से कुशल कारीगार होते है। अतः ऐसे सभी कारीगर जिन्होनें विभिन्न पारिवारिक कारणों से प्रमाण पत्र प्राप्त नहीं कर सके है, उनकी सीमित परीक्षा के माध्यम से दक्षता का मूल्यांकन कर योग्यता व कौशल के अनुसार आई. टी. आई. अथवा डिप्लोमा के समतुल्य प्रमाण पत्र प्रदान किया जाये। कारीगरों की पहचान कर उनके व्यवसाय का पंजीयन कर उन्हें कारीगर कार्ड प्रदान किया जाये। वर्तमान में कुछ राज्यों द्वारा उक्त मांगों पर सकारात्मकता दिखाते हुये समस्याओं के निराकरण हेतु क्रियान्वयन की दिशा में योजनाओं पर काम करना प्रारंभ कर दिया गया है। जिसके लिये आर्टिजंस वेलफेयर आर्गेनाईजेशन सहित सम्पूर्ण कारीगर संवर्ग आभारी है।

वी. विश्वनाथन आचारी द्वारा भारतीय मानव सभ्यता के क्रमबद्ध विकास का अध्ययन कर विगत 40 वर्षों से भारत के पैतृक/वंशानुगत कारीगरों के सर्वांगीण उत्थान हेतु संघर्ष किया जा रहा है। प्राचीन काल से ही मानव सभ्यता के विकास में पैतृक कारीगरों का विशेष योगदान रहा है। इन वर्गों द्वारा पुरापाषाण काल से ही मानव सभ्यता के विकास एवं जीवनयापन की आवश्यकता को पूर्ण करने के क्रम में जन्म से मृत्यु तक उपयोग में आने वाली सभी प्रकार के वस्तुओं का निर्माण एवं और बेहतर करने हेतु नवाचार/शोध किया जाता रहा है। धातुओं की खोज के साथ ही आगे चलकर भवन व कृषियंत्रों के निर्माण सहित अन्य सभी आवश्यक वस्तुओं के निर्माण में इन कारीगरों की प्रमुख भूमिका रही। वास्तव में देश की संस्कृति व सभ्यता के निर्माण में सामाजिक व्यवस्था अंतर्गत पीढ़ी दर पीढ़ी वंशानुगत कारीगरों (लोहार, बढ़ई, ताम्रकार, शिल्पकार, बुनकर, कुम्हार, बसोड़, चर्मकार, नाई, घुमंतू कारीगर आदि) द्वारा महत्वपूर्ण योगदान दिया जाता रहा है।

भारत की आजादी में इन वर्गों ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। देश की स्वतंत्रता उपरान्त समाज के सभी वर्गों की तरह इन वर्गों को भी ऐसा महसूस हुआ कि हमारी तरक्की के भी नये आयाम प्रशस्त होंगे, परन्तु दुर्भाग्यवश ऐसा नहीं हुआ। भारत के नवनिर्माण में औद्योगिकीकरण के अंतर्गत आधुनिक कल-कारखानों की स्थापना होने के बाद देश में प्राचीनतम काल सेपैतृक/वंशानुगत कारीगरों द्वारा स्वयं के हाथों से किये जाने वाला लगभग सभी कार्य स्वतः ही समाप्त हो गये जिससे बड़ी संख्या में सभी पैतृक कारीगर बेरोजगार हो गये। दुर्भाग्य से आजादी के बाद औद्योगिकीकरण के इस परिवर्तन काल में बेरोजगार हुये कारीगरों की किसी भी सरकार ने चिंता नहीं की और न ही मुआवजा स्वरुप कोई व्यवस्था दी गई। भारत सरकार की उदासीनता के कारण इन वर्गों का विकास प्रायः अवरुद्ध सा हो गया। सरकार की कोई समुचित योजना नहीं होने के कारण गरीबी और शिक्षा के अभाव में आजादी के 75 वर्षों के बाद भी इन वर्गों की तरक्की नहीं हो सकी है। जिस कारण आज के वर्तमान समय में जहां समाज के सभी वर्गों का विकास हो रहा है वहीं पैतृक कारीगर की स्थिति दिन प्रतिदिन बद से बदतर होती चली जा रही है। इन वर्गों को अपनी आजीविका चलाना भी मुश्किल हो गया है। इन वर्गों को समाज के मुख्यधारा में लाने एवं इनके सर्वांगीण विकास हेतु वी. विश्वनाथन द्वारा लगातार विगत 40 वर्षों से विभिन्न स्तर पर संघर्ष किया जाता रहा है। जिसके अंतर्गत भारत सरकार का ध्यान आकर्षित कराने हेतु राष्ट्रीय स्तर पर कई आन्दोलन, धरना-प्रदर्शन आदि किये गये है। इसी क्रम में वी. विश्वनाथन द्वारा पूरे भारत का भ्रमण कर पैतृक कारीगरों को जागृत करते हुए उनके अधिकारों एवं समस्याओं के निराकरण हेतु इन वर्गों के बुद्धिजीवियों को एक मत से एक मंच पर लाने का भरसक प्रयास किया गया। आगे चलकर वर्ष 2005 में राष्ट्रीय स्तर पर आर्टिजंस वेलफेयर आर्गेनाईजेशन का गठन किया गया। इन वर्गों के बुद्धिजीवियों को एक मंच पर लाते हुए राष्ट्रीय स्तर पर चरणबद्ध कार्यबल बैठक का आयोजन किया गया।

आर्टिजंस वेलफेयर आर्गेनाईजेशन के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष वी. विश्वनाथन आचारी के नेतृत्व व मार्गदर्शन में उक्त बैठकों में कारीगरों की स्थिति पर गंभीरता से विचार करते हुये उनके सेवा संवर्धन हेतु आवश्यक मांग पत्र/ज्ञापन केंद्र सरकार सहित प्रदेश के सभी राज्य सरकारों को प्रस्तुत किया जाता रहा है। विश्वनाथन के नेतृत्व में राज्य/राष्ट्रस्तर पर आर्टिजंस वेलफेयर आर्गेनाईजेशन के माध्यम से कई बैठकें संपन्न कर पैतृक/वंशानुगत कारीगरों की समस्याओं को समझने व उसके निराकरण हेतु विचार मंथन किया। कुछ प्रमुख मांगों को राज्य/केंद्र सरकार से पूर्ण करवाने हेतु संघर्ष किया जाता रहा है।

विश्वनाथन का कहना है कि आजादी के पूर्व जब भारत में अंग्रेजों का शासन था तब ब्रिटेन में निर्मित मशीनों को भारत में बेचा जाता था। हमारे स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार करते हुये आव्हान किया था कि भारत में देशी मशीनों एवं उपलब्ध कच्चे माल का ही उपयोग कर आवश्यक वस्तुओं का निर्माण किया जाये। परन्तु दुर्भाग्य से विदेशी वस्तुओं का पूर्णरूपेण बहिष्कार नहीं हो पाया। आजादी के बाद स्वदेशी वस्तुओं के निर्माण हेतु भारत सरकार ने नीति बनाई लेकिन गुणवत्ता के मामले में हम विदेशी उच्च तकनीकी वस्तुओं से मुकाबला नहीं कर पाये, इस कारण आमजन में विदेशी वस्तुओं के प्रति रुझान बढ़ा एवं विदेशी मशीनों तथा विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार के सिद्धांत को तिलांजलि दे दी गई। उसके बाद वर्ष 1980 में भूमंडलीयकरण, उदारीकरण, मशीनीकरण एवं औद्योगिकीकरण आदि की नीति बनाकर भारत सरकार ने उच्च तकनीकी एवं कच्चा माल विदेशों से आयात कर निर्माण कार्य की प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी। इसका परिणाम यह हुआ कि भारत की अपनी पैतृक तकनीक पर आधारित निर्माण विधि कमजोर पड़ गई। भारतीय पैतृक कारीगरी से जुड़े परिवारों के लिये रोजी रोटी की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई। फलस्वरूप भारत की प्राकृतिक संपदाओं से मानव विकास हेतु हर स्तर में उपयोग होने वाले सभी प्रकार के वस्तुओं का निर्माण करने वाले पैतृक कारीगर वर्ग जो कि भारत के आदि मानव की श्रेणी में आते है, धीरे-धीरे आर्थिक एवं सामाजिक क्षेत्रों में पिछड़ते चले गये। जमीन जायदाद एवं कृषिभूमि पर अधिपत्य नहीं रखने वाले पैतृक कारीगरों को यह उम्मीद नहीं थी कि आधुनिकीकरण की दौड़ में उनके पैतृक/वंशानुगत कार्य को अन्य संपन्न वर्ग द्वारा कब्जा कर लिया जाएगा। पैतृक कारीगरी पर निर्भर इस वर्ग द्वारा व्यवसाय एवं उच्च शिक्षा में ध्यान ही नहीं दिया गया। अधिकांश कारीगर समूह काम की तलाश एवं निष्पादन हेतु घुमंतू होने के कारण बच्चों की शिक्षा के लिये स्थाई रूप से एक ही स्थान में निवास नहीं कर पाते। परिणाम स्वरूप आजाद भारत के वर्तमान समय में इन वर्गों के पास अपना पैतृक काम भी नहीं रहा और नहीं इनके बच्चें शिक्षित हो पाये। यदि थोड़ा बहुत काम मिलता भी है तो निष्पादन हेतु धन की कमी के कारण ग्राहक को संतुष्ट नहीं कर पाते हैं तथा आम उपभोक्ता कारखानों में निर्मित वस्तुओं को वरीयता देते है। धीरे-धीरे कारीगर वर्ग खुद एवं बच्चों की परवरिश हेतु अन्य समाज के संपन्न परिवारों के घरों में काम करने पर मजबूर होने लगे। काम व अच्छी शिक्षा के अभाव में आर्थिक तंगी के कारण इन वर्गों के युवक एवं युवतियां समाज की मुख्य धारा से पिछड़ते जा रहे है और अन्य समाजों की तुलना में अपनी प्रतिष्ठा भी खोते जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि इन वर्गों की समस्याओं को भारत की संसद में उठाने वाला कोई सांसद भी नहीं है और दूसरे वर्गों के सांसदों द्वारा इन वर्गों की समस्याओं पर कोई ध्यान नहीं दिया जाता। इन वर्गों की जनसंख्या अनुपात के अनुसार भारत सरकार द्वारा कोई ठोस योजना न बनाये जाने के कारण स्वदेशी कारीगर संवर्ग अपनी पहचान खोता जा रहा है। ऐसा लगता है कि कुछ वर्षों बाद इतिहास के पन्नों में ही स्वदेशी कारीगरों की पहचान बचेगी।

वर्तमान में यह देखा गया कि सरकार द्वारा विदेशी कंपनियों को फर्नीचर निर्माण हेतु अनुमति देने से बहुसंख्यक कारीगर वर्ग अपने आप को उपेक्षित महसूस कर रहा है। कंपनियां पैतृक व्यवसाय पर कब्जा कर पैतृक कारीगरों के स्वरोजगार के अवसर को समाप्त कर रही हैं। सामाजिक न्याय के तहत सरकार द्वारा परंपरागत कारीगर की श्रेणी में अल्पसंख्यक कारीगर संवर्ग को ही आर्थिक रूप से पिछड़ा मानते हुए उनके लिये प्रशिक्षण एवं स्वरोजगार हेतु विभिन्न प्रकार के अवसर प्रदान किये गये हैं, जबकि बहुसंख्यक पैतृक कारीगर संवर्ग हेतु उक्त प्रकार की ऐसी कोई योजना संचालित नहीं है, जिस कारण बहुसंख्यक पैतृक कारीगर संवर्ग अपने आप को उपेक्षित महसूस कर रहा है।

वंशानुगत कारीगरों के अधिकारों के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु वर्ष 2005 में आर्टिजंस वेलफेयर ऑर्गेनाइजेशन नामक संस्था की स्थापना कर राष्ट्रीय स्तर पर विश्वनाथन के नेतृत्व में कारीगर संवर्गों की विभिन्न समस्याओं एवं मांगों को लेकर धरना एवं प्रदर्शनों के माध्यम से विभिन्न मांगों को पूरा कराने हेतु कई प्रयास किये गये, जिसमें कारीगर मंत्रालय के गठन हेतु वर्ष 2004 में पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम से आर्टिजंस वेलफेयर आर्गेनाईजेशन एवं सहयोगी संगठनों के प्रतिनिधियों द्वारा भेंट कर भारत में कारीगरों की समस्याओं से अवगत कराया गया व कारीगर मंत्रालय के गठन हेतु प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। सात सदस्यीय उच्चस्तरीय कमेटी ने जनवरी 2005 में लगभग 150 पन्नों की एक विस्तृत रिपोर्ट के साथ कारीगर मंत्रालय के गठन की सिफारिश पत्र केंद्र सरकार को दिया गया। परन्तु केंद्र सरकार द्वारा उक्त रिपोर्ट के आने के बाद भी कारीगर मंत्रालय का गठन नहीं किया गया। आर्टिजंस वेलफेयर आर्गेनाईजेशन एवं सहयोगी संगठनों द्वारा 2005 में कारीगर मंत्रालय का अविलम्ब गठन करने के लिये दबाव बनाने हेतु पूरे देश में आंदोलन एवं प्रदर्शन किया गया। इसके बावजूद भारत सरकार द्वारा उक्त मांगों को स्वीकार नहीं किया गया। वर्ष 2010 में भाजपा के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन गडकरी से विश्वनाथन ने अपने प्रतिनिधि मंडल के साथ मुलाकात कर कारीगरों की विभिन्न समस्याओं के संबध में विस्तृत चर्चा की गई। विश्वनाथन के नेतृत्व में आर्टिजंस वेलफेयर आर्गेनाईजेशन पैतृक/वंशानुगत कारीगरों की विभिन्न समस्याओं के निराकरण हेतु संघर्षरत है। इसी क्रम में समय समय पर आर्टिजंस वेलफेयर आर्गेनाईजेशन की तरफ से प्रतिनिधि मंडल द्वारा राष्ट्रीय स्तर की प्रमुख राजनैतिक दलों के अध्यक्ष सहित प्रमुख पदाधिकारियों से भी मुलाकात कर ज्ञापन प्रस्तुत किया गया है।

संकलनकर्ता - सी. आर. विश्वकर्मा
राष्ट्रीय महासचिव, आर्टिजंस वेलफेयर आर्गेनाईजेशन
लेखक - अरुण कुमार विश्वकर्मा
राष्ट्रीय अध्यक्ष, आर्टिजंस वेलफेयर आर्गेनाईजेशन

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक-गंगाराम श्रीराम विश्वकर्मा द्वारा 306, दिघे नगर को आप हाउसिंग सोसायटी, फितवाला रोड, एलफिन्स्टन (वेस्ट), मुंबई-40013 से प्रकाशित एवं एस आर पब्लिकेशन, मोहन अर्जुन कम्पाउंड, गाला नम्बर-8, 9, 10, घर्टनपाढा, वैशाली नगर लास्ट बस स्टॉप, नियर भारत गैस गोडाउन, दहिसर (ईस्ट), मुंबई- 400068 से मुद्रित। संपादक - गंगाराम श्रीराम विश्वकर्मा* RNI NO. MAHHIN/2005/16460 मो. 09320566633. (सभी विवादों का निपटारा न्यायक्षेत्र केवल मुंबई न्यायालय के अधीन होगा. *पी. आर. बी. अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)

कारपेन्टर/कोन्ट्राक्टर भाइयों के लिये टोकन / कटर मशीन / ड्रील मशीन ऑफर

EURO 7000
SYNTHETIC WOOD ADHESIVE

ड्रम पैक साइज
800 Gm X 70 Pouches

ड्रम पैक	ऑफर
यूरो एडहेसिव WP 2IN1 के एक ड्रम पर पाइये स्पेशल ऑफर 800 Gm X 70 Nos	15 Rs. टोकन / पाउच अथवा कटर मशीन अथवा ड्रील मशीन

15 Rs/- टोकन / पाउच

अथवा

अथवा

बदलते समय के साथ कारीगर खुद को भी तराशे

बॉस बीकनेक्ट से जुड़े कारपेंटर

मुंबई। आवश्यकता आविष्कार की जननी है। गुणवान व्यक्ति समय के साथ नए अविष्कार की अपनाकर अपना और समाज का विकास करता है। कारीगर भाइयों को भी समय के साथ खुद को भी तराशना होगा। बॉस पावर टूल्स की ओर से मालाड (पश्चिम) स्थित रुईया हाल में आयोजित कारपेंटर सम्मेलन में भाजपा के वरिष्ठ नेता आर. यू. सिंह ने उक्त बातें कही।

सिंह ने कहा कि देश नई तकनीकी को अपनाते हुए आगे बढ़ रहा है। पूरी दुनिया में भारत की इकोनॉमी की प्रशंसा हो रही। यह इस लिए हो रहा है, क्योंकि लोग अब हर क्षेत्र में नई तकनीकी को अपनाकर देश की इकोनॉमी को बढ़ाने में योगदान दे रहे हैं। देश में बेरोजगारी बड़ी समस्या है। सबको सरकारी नौकरी तो मिल नहीं सकती। इस दौर में जिसके हाथों में गुण होगा, वह विकास की रेस में आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि कारपेंटर एक कुर्सी को बनाने में अपना पूरा दिमाग लगाता है ताकि कुर्सी पर बैठने वाले को सकून मिल सके। नई मशीनरी का इस्तेमाल करते हुए अब फर्नीचर उत्पादन क्षमता को आगे बढ़ाया जा सकता है।

आर. यू. सिंह ने कहा कि देश के विकास में विश्वकर्मा समाज का योगदान अहम है। भगवान विश्वकर्मा ने एक बार इंद्रप्रस्थ का निर्माण किया जो अब भी दिल्ली राजधानी के रूप में मौजूद है।

श्री कृष्ण ने मथुरा छोड़ा तो उनके लिए विश्वकर्मा ने द्वारिका का निर्माण किया। शिव को सोने का महल, भगवान इन्द्र को इन्द्रपुरी, यम को यमपुरी और भगवान राम के लिये पुष्पक विमान का निर्माण भगवान विश्वकर्मा ने किया था। देश और दुनिया के विकास और तकनीकी निर्माण में भगवान विश्वकर्मा और उनके वंशजों का बहुत बड़ा योगदान रहा है।

कारपेंटर सम्मेलन में बॉस पावर टूल्स कंपनी की ओर से शुरू किये गए यूजर एप्लिकेशन एंड स्किम योजना बॉस बीकनेक्ट से बड़ी संख्या में कारपेंटर जुड़े। इस अवसर पर बॉस पावर टूल्स के वुड वर्किंग प्रोडक्ट के प्रेजेंटेशन के साथ डेमो भी दिखाया गया। कंपनी के पावर टूल्स, पावर टूल्स एक्सेसरीज, कॉर्डलेस पावर टूल्स, मेजरिंग टूल्स आदि प्रोडक्ट की प्रदर्शनी लगाई गई।

इस अवसर पर कंपनी के महेंद्र माथुर, भारत यादव, लोकेश जोशी, मंदीप ठक्कर, अक्षत मिश्र, हिरेन जोशी, हेमंत सिंह, कारपेंटर्स वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष वशिष्ठ नारायण विश्वकर्मा, महामंत्री दिनेश विश्वकर्मा आदि उपस्थित रहे।

फगवाड़ा में श्री विश्वकर्मा पूजा की धूम

फगवाड़ा। शिरोमणी श्री विश्वकर्मा मंदिर, बंगा रोड फगवाड़ा जिला कपूरथला में श्री विश्वकर्मा धीमान सभा के प्रधान बलवंत राय धीमान के नेतृत्व में सभी सदस्यों और साध संगत के सहयोग से 112वां श्री विश्वकर्मा पूजा महोत्सव मनाया गया। इस समागम की अध्यक्षता स. नविन्दर सिंह चाना ने की। झंडे की रस्म स. तीर्थ सिंह पदम जालंधर वालों ने अदा की। स्वागत कमेटी की अध्यक्षता गुरमुख सिंह नामधारी फगवाड़ा वालों ने की। हवन यज्ञ के यजमान की सेवा स. भुपिन्दर सिंह जंडू भुलारायी वालों ने परिवार समेत निभाई। समागम के अतिथियों ने भगवान श्री विश्वकर्मा जी के चरणों में मत्था टेका और दरबार में सभा के प्रधान बलवंत राय धीमान और सवागती कमेटी के प्रधान गुरमुख सिंह नामधारी जी ने अतिथियों को सरोपा दे कर सम्मानित किया। इस अवसर पर केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्यमंत्री सोम प्रकाश, एस. सी. कमीशन के चेयरमैन विजे सांपला, भाजपा पंजाब प्रधान अश्वनी शर्मा, राजेश बाघा, आम आदमी पार्टी के फगवाड़ा हलका इंचार्ज जोगिन्द्र सिंह मान, राणा गुरजीत सिंह, बलविन्दर सिंह धालीवाल, राज कुमार चब्बेवाल आदि सहित गणमान्य लोगों ने समागम पर पहुंचकर भगवान श्री विश्वकर्मा जी का आशीर्वाद प्राप्त किया।

विश्वकर्मा महापूजा पर निकाली गई शोभायात्रा

अंबाला। श्री विश्वकर्मा मंदिर कैथ माजरी, अंबाला शहर में भगवान श्री विश्वकर्मा महापूजा महोत्सव के अवसर पर विशाल शोभायात्रा निकाली गई। जो मुख्य बाजारों से होते हुए श्री विश्वकर्मा मंदिर कोर्ट रोड में सम्पन्न हुई। शोभायात्रा का शुभारंभ नगर विधायक असीम गोयल द्वारा किया गया।

शोभायात्रा में बैंड, झांकियों व कीर्तन मंडलियों की शोभा देखने के लिए बड़ी संख्या में जनसमुदाय उपस्थित रही। मंदिर सभा की ओर से इ. बलबीर सिंह, विश्वकर्मा दूत के संपादक पी आर राजल, पिछड़ा वर्ग आयोग हरियाणा सदस्य श्याललाल जांगडा, चमनलाल धीमान को सम्मानित किया गया। सभा ने बोर्ड व यूनिवर्सिटी में 70 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को सम्मान चिन्ह, प्रशंसा पत्र व नगद राशि देकर सम्मानित किया गया। सुबह हवन व अटूट भंडारे का आयोजन किया गया।

E3 PVC EDGE BAND TAPE

कारपेंटर भाइयों की पहली पसंद

भारत में निर्मित
रहे हमेशा नई जैसी
लगाने में आसान, कभी न उतरे
बचाए आपके फर्नीचर को पानी और दीमक से

1st INDIAN MANUFACTURER IN WORLD CLASS QUALITY

E3
elegant | everlasting | economical

+91 70251 70251 | info@e3panels.com | www.e3panels.com

DEALERS ENQUIRY SOLICITED FOR PAN INDIA

देवोत्थान एकादशी : श्रीहरि के योग निद्रा से जागने का पर्व

कार्तिक शुक्ल पक्ष की एकादशी को देवोत्थान एकादशी कहते हैं। इसे विष्णु प्रबोधिनी, देव-प्रबोधिनी, देवोत्थान, देव उथव, देव उठनी, प्रबोधिनी एवं कार्तिक शुक्ल एकादशी भी कहा जाता है। मान्यता है कि देवोत्थान एकादशी के दिन भगवान विष्णु क्षीरसागर में चार माह यानी आषाढ़ शुक्ल पक्ष की एकादशी से कार्तिक शुक्ल

पक्ष की एकादशी तक शयन करने के बाद जागते हैं। यह कालावधि हमारी संस्कृति में चातुर्मास के नाम से प्रसिद्ध है। चातुर्मास के बाद भगवान श्री हरि जब योग निद्रा से जागते हैं, तब विश्व के संचालन का कार्यभार पुनः संभालते हैं। इसके साथ ही हिंदू संस्कृति में मांगलिक कार्यों की शुरूआत हो जाती है, जबकि इससे पूर्व भगवान विष्णु के शयन काल के चार मास में मुंडन, जनेऊ एवं विवाहादि मांगलिक कार्य नहीं किये जाते। इसीलिए देवोत्थान एकादशी पर भगवान श्रीहरि के जागने के बाद शुभ तथा मांगलिक कार्यों की शुरूआत तुलसी विवाह के आयोजन के साथ ही हो जाती है। इस अवसर पर माता तुलसी और भगवान विष्णु के शालिग्राम स्वरूप का विवाह संपन्न कराया जाता है।

भगवान विष्णु के शालिग्राम स्वरूप के संदर्भ में पद्मपुराण में एक लोकप्रिय कथा है। कथा के अनुसार एक बार राजा जालंधर की पत्नी वृंदा के शाप से भगवान विष्णु पत्थर बन गये थे। तत्पश्चात् शाप से मुक्ति पाने हेतु भगवान विष्णु को शालिग्राम स्वरूप में ही तुलसी जी से विवाह करना पड़ा। यही कारण है कि आज भी श्रद्धालु कार्तिक माह की एकादशी तिथि को तुलसी विवाह का आयोजन बड़े ही भक्ति-भाव और अनुराग के साथ धूमधाम से करते हैं। पद्मपुराण की उक्त कथा के अनुसार वृंदा के शाप से पत्थर में परिवर्तित हो जाने के कारण ही भगवान विष्णु का एक नाम शालिग्राम भी पड़ा। एक पौराणिक कथा के अनुसार एक बार भगवान विष्णु से माता लक्ष्मी ने कहा कि जब वे जागते हैं तो रात-दिन जागरण ही करते हैं और जब सोते हैं तो लाखों-करोड़ों वर्षों तक सोते ही रहते हैं। इसलिए उन्होंने भगवान श्रीहरि को नियम से प्रतिवर्ष सोने की बात कही ताकि उन्हें भी विश्राम करने का निश्चित समय मिल सके। माता लक्ष्मी की बात सुन भगवान विष्णु मुस्कराये और बोले, हे देवी! आपने उचित कहा है। मेरे जागने के कारण सभी देवों, विशेष कर आपको बहुत कष्ट झेलना पड़ता है। मेरे कारण आपको बिल्कुल अवकाश नहीं मिलता। अतः अब से मैं प्रतिवर्ष वर्षा ऋतु में चार मास तक शयन करूंगा। मेरे शयन के समय आपके एवं देवगणों के लिए अवकाश होगा। सामान्यतः मेरी यह निद्रा अल्पनिद्रा कहलायेगी, जबकि प्रलय काल में इसे ही महानिद्रा कहा जायेगा। मेरी अल्पनिद्रा मेरे भक्तों के लिए परम मंगलकारी होगी। इस काल में जो भी भक्त मेरे शयन की भावना कर मेरी सेवा-आराधना करेंगे और शयन व उत्थान के उत्सव को आनंदपूर्वक आयोजित करेंगे, उनके घर में मैं आपके साथ निवास करूंगा।

जायका इंडिया का

मसालेदार हैदराबादी पनीर

पनीर को बच्चे से लेकर हर उम्र के लोग बड़े चाव से कहते हैं। पनीर सेपराठों के साथ कई तरह की सब्जियां बनाई जाती हैं। मसालेदार हैदराबादीपनीर बनाने में जहां आसान है वहीं इसके चटपटे स्वाद उंगलियां चाटने को मजबूर कर देगी।

सामग्री – पनीर 250 ग्राम, क्रीम/मलाई 2 टेबलस्पून, दही 2 स्पून, जीरा पाउडर1/2 टीस्पून, धनिया पाउडर 1 टीस्पून, गरम मसाला 1/4 टीस्पून, कसूरी मेथी1 स्पून, जीरा 1 टीस्पून, दालचीनी 1 इंच टुकड़ा, लौंग 3, इलायची 2, कढ़ी पत्ता 10, तेल 2 टेबल स्पून, नमक स्वादानुसार

ग्रेवी के लिए सामग्री – पालक 1 बंडल, टमाटर 1-2, प्याज 1, अदरक-लहसुन पेस्ट 1 टीस्पून, हरी मिर्च 2, हरा धनिया कटा 3/4 कप, तेल 3 टी स्पून, नमक स्वादानुसार

विधि – पनीर हैदराबादी बनाने के लिए सबसे पहले पनीर के चौकोर टुकड़े काटकर एक बाउल में अलग रख दें। इसके बाद पालक को धोकर साफ करें। अब प्याज, टमाटर, हरी मिर्च और हरा धनिया बारीक-बारीक काट लें। एक कड़ाही में 3 टी स्पून तेल डालकर उसे मीडियम आंच पर गर्म करें। जब तेल गर्म हो जाए तो उसमें बारीक कटा प्याज, हरी मिर्च और अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर कुछ देर तक भून लें। जब प्याज का रंग हल्का सुनहरा हो जाए तो इसमें टमाटर डाल दें और तब तक पकाएं जब तक कि टमाटर नरम ना हो जाए। फिर इसमें पालक और हरा धनिया डालकर 2-3 मिनट तक पकने दें। अब गैस बंद कर मिश्रण को ठंडा होने दें। जब मिश्रण ठंडा हो जाए तो उसे मिक्सी जार में डालकर आधा कप पानी डालें। अब इसके तैयार पेस्ट को एक बर्तन में निकाल लें। अब कड़ाही में दोबारा 2 टेबलस्पून तेल डालें और उसमें जीरा, कढ़ी पत्ते, दालचीनी, लौंग और इलायची डालकर धीमी आंच पर हल्का भूनें। जब मसालों की खुशबू आने लगे तो इसमें पालक की तैयार प्यूरी को डालें। कुछ देर बार ग्रेवी में दही और क्रीम डालकर अच्छी तरह से चलाते हुए पकाएं। 1-2 मिनट पकाने के बाद इसमें धनिया पाउडर, जीरा पाउडर और स्वादानुसार नमक डालकर करछी से चलाते हुए मिक्स कर दें। लगभग एक मिनट तक ग्रेवी को पकाने के बाद इसमें पनीर के टुकड़े डाल दें और ग्रेवी के साथ अच्छे से मिला दें। अब कड़ाही को ढक दें और 3-4 मिनट तक सब्जी को पकने दें। तय समय के बाद कड़ाही का ढक्कन हटाएं और उसमें गरम मसाला और हथेलियों से मसलकर कसूरी मेथी डालें। डिनर के लिए स्वादिष्ट पनीर हैदराबादी तैयार हो चुका है। इसे पराठे या रोटी के साथ सर्व करें।

OZONE
FOR A SAFER WORLD

OZOSTARS
एक पहल, अपनों के साथ!

लॉयल्टी प्रोग्राम

ओज़ोन लॉयल्टी प्रोग्राम से जुड़ें, पाएं कई रिवॉर्ड्स

ओज़ोन लाया है ओज़ोस्टार्स लॉयल्टी प्रोग्राम जिसके अंतर्गत कारपेंटर्स, कॉन्ट्रैक्टर्स और फैब्रिकेटर्स को मिलते हैं कई इन्सेन्टिव्स। जब आप ओज़ोन प्रोडक्ट्स से लगाने का सुझाव अधिक अधिक कस्टमर्स को देते हैं तो आप पा सकते हैं 5.25% तक की एक्स्ट्रा कमाई।

ओज़ोन प्रोडक्ट्स इंडियन किचेन्स के लिए बने हैं। ये बहुत मज़बूत और लम्बा चलने वाले प्रोडक्ट्स हैं। इनकी क्वालिटी और स्टैण्डर्ड किसी भी जर्मन फिटिंग्स की तुलना में अव्वल स्तर पे है। जहां ओज़ोन प्रोडक्ट्स से आपको इतने रिवॉर्ड्स मिलते हैं, वहीं आपके कस्टमर्स को आपकी सर्विस से खुशी और संतुष्टि मिलती है।

तो जल्द से जल्द इस प्रोग्राम में भाग लें और सारे लाभ उठाएं।

ओज़ोन ओज़ोस्टार्स कार्यक्रम में एनरोल करने का तरीका

1. ओज़ोस्टार्स ऍप डाउनलोड करें
2. अपनी डीटेल्स भरें और लॉग इन करें

या हेल्पडेस्क नंबर **18002020204** पे कॉल करें और अपनी डीटेल्स शेयर करें।

पॉइंट्स कमाने की प्रक्रिया

- ओज़ोस्टार्स ऍप डाउनलोड करें और लॉगिन करें
- प्रोडक्ट बॉक्स में लगे QR कोड को स्कैन करें
- निर्धारित पॉइंट्स जमा होने पर, रिडीम करें

इसी कार्यक्रम के तीन विजेताओं से मिलिए जिन्होंने सबसे ज्यादा कस्टमर्स के घरों में ओज़ोन प्रोडक्ट्स लगाए। विनर्स ने ओज़ोन प्रोडक्ट्स डीलर्स से खरीदे, कस्टमर्स को दिलाये और हर प्रोडक्ट स्कैनिंग पर

पॉइंट्स पाए। कमाए गए सभी पॉइंट्स आकर्षक इनामों के बदले उन तक पहुंचाए गए जैसे अमेज़न या फिलपकार्ट के वाउचर्स।

चमकते सितारों को ओज़ोन की तरफ से हार्दिक शुभकामनाएं

तो बस ओज़ोस्टार्स ऍप पे QR कोड्स स्कैन करते जाइए और ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाते जाइए।

www.ozone-india.com

बीमारी की चपेट में वरुण धवन

वरुण धवन की फिल्म भेड़िया जल्द रिलीज होने वाली है। फिल्म में वरुण मुख्य किरदार में हैं और वह भेड़िया बनते नजर आएंगे। उनके अपोजिट एक्ट्रेस कृति सेनन हैं। वरुण फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त चल रहे हैं। इसका ट्रेलर रिलीज हो चुका है। इस बीच वरुण ने अपनी निजी जिंदगी से जुड़े कुछ खुलासे किए हैं। उन्होंने बताया कि वह वेस्टिबुलर हायपो फंक्शन नाम की बीमारी से जूझ रहे हैं। कुछ समय उन्हें काम से ब्रेक भी लिया था।

वरुण धवन ने कहा कि कोरोना के बाद चीजें काफी बदल गई हैं। पैनडेमिक ने मानसिक रूप से सभी पर असर डाला है। इंडिया टुडे कॉन्क्लेव में पहुंचे वरुण कहते हैं कि जिस पल कोरोना के बात जिंदगी सामान्य हुई आपको नहीं लगता कि हम फिर से उसी रेस में वापस चल पड़े। यहां कितने लोग कह सकते हैं कि वो बदल गए हैं। मैंने देखा है कि लोग पहले से ज्यादा मेहनत करने लगे हैं। असल में मैंने अपनी फिल्म जुग जुग जियो के लिए इतनी मेहनत की कि ऐसा लगा मैं चुनाव के लिए दौड़ रहा है। मुझे नहीं पता क्यों लेकिन मैंने खुद को काफी प्रेशर में लिया। वह आगे कहते हैं कि मुझे नहीं पता मुझे क्या हो गया है। मैं वेस्टिबुलर हाइपर फंक्शन से जूझ रहा हूं। इसमें आपका बैलेंस बिगड़ जाता है। मैंने खुद को पुश किया। हम बस इस रेस में भाग रहे हैं। मुझे लगता है कि हम एक बड़े उद्देश्य की वजह से यहां हैं। मैं खुद को खोजने की कोशिश कर रहा हूं और उम्मीद है कि लोगों को भी अपना उद्देश्य मिलेगा।

वेस्टिबुलर हाइपर फंक्शन एक तरह का डिसऑर्डर है जिसमें कान के अंदर का बैलेंस सिस्टम फेल हो जाता है और ठीक से काम नहीं करता। वेस्टिबुलर सिस्टम कान के अंदर होता है और बैलेंस बनाए रखने के लिए आंखों और मांसपेशियों के साथ काम करता है। जब यह ठीक से काम नहीं करता है तो दिमाग को गलत संदेश भेजता है और व्यक्ति को बेचैनी या चक्कर आना शुरू हो सकता है।

कॉमेडियन राजू श्रीवास्तव की आखिरी सीरीज

अमेजन प्राइम वीडियो हर हफ्ते अपने दर्शकों के लिए कुछ न कुछ नया कंटेंट लेकर आता है। इसी क्रम में अब अमेजन प्राइम पर रिलीज होने वाली एक और सुपरहिट सीरीज के नए सीजन की घोषणा की गई है। टीवीएस द्वारा प्रोड्यूस की जा रही हॉस्टल डेज तीसरे सीजन का

टीजर आउट हो चुका है। इस नए सीजन में मस्ती के साथ-साथ कॉलेज के छह दोस्तों की मिड लाइफ क्राइसेस देखने को मिलेंगी, लेकिन इसी के साथ कॉमेडियन राजू श्रीवास्तव की ये आखिरी सीरीज आपके चेहरे पर एक बड़ी सी मुस्कान ला देगी। राजू श्रीवास्तव के निधन के बाद ये उनकी आखिरी सीरीज है। हॉस्टल डेज के तीसरे सीजन में राजू श्रीवास्तव का क्या और कितना बड़ा किरदार है इसका खुलासा तो अभी तक नहीं हुआ है, लेकिन टीजर में कॉमेडी के बादशाह की एक झलक देखकर फैंस के चेहरों पर बड़ी सी मुस्कान आ गई है और उनकी आंखें नम हो गई हैं। ये सीरीज 16 नवंबर को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हो रही है।

फैंस के दिलों पर श्वेता ने गिराई बिजलियां

42 वर्षीय श्वेता तिवारी टीवी के साथ-साथ सोशल मीडिया स्टार्स पर भी काफी लोकप्रिय हैं। अपनी खूबसूरती और बोल्डनेस से फैंस के दिलों को वे घायल कर देती हैं। श्वेता तिवारी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर ऐसी तस्वीरें पोस्ट की जिसे देखने के बाद यूजर्स एक्ट्रेस की खूबसूरती की प्रशंसा करते हुए नहीं थक रहे हैं। श्वेता तिवारी इन तस्वीरों में काफी यंग और ब्यूटीफुल लग रही हैं।

श्वेता तिवारी ने कुछ समय पहले ही अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कई तस्वीरें शेयर की हैं, जो देखते ही देखते इंटरनेट पर धड़ल्ले से वायरल हो रही है। इन फोटोज में श्वेता तिवारी ने ब्लैक रंग की स्ट्रेप वाली ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वह बला की खूबसूरत लग रही हैं। पहली फोटो में एक्ट्रेस सोफे पर बैठी एकटक कैमरे को देख रही है और उनकी ड्रेस की एक स्ट्रिप शोल्डर से खिसकी हुई है तो वहीं दूसरी तस्वीर में श्वेता अपने बालों से खेलती हुई नजर आ रही हैं। अन्य एक तस्वीर में टीवी की प्रेरणा अपनी खूबसूरती के साथ-साथ अपना परफेक्ट फिगर भी फ्लॉन्ट करते हुए नजर आ रही है। श्वेता तिवारी इन सभी तस्वीरों में अपनी खूबसूरती से फैंस के दिलों पर बिजलियां गिरा रही हैं।

राजकुमारी की तरह जीती हैं अनुष्का शेट्टी

फिल्म बाहुबली में देवसेना का किरदार निभा चुकीं टैलेंटेड एक्ट्रेस अनुष्का शेट्टी ने फिल्म बाहुबली और बाहुबली-2 में दमदार रोल प्ले किया था। फिल्म में अनुष्का का रोल एक बहादुर राजकुमारी का था जिसे बहुत पसंद किया गया। लेकिन क्या आप जानते हैं कि रियल लाइफ में भी अनुष्का शेट्टी की जिंदगी किसी राजकुमारी से कम नहीं है।

अनुष्का शेट्टी रॉयल लाइफ जीना पसंद करती हैं और फिल्म बाहुबली के बाद तो उन्होंने अपनी फीस भी काफी ज्यादा बढ़ा दी है। साउथ की एक्ट्रेस में अनुष्का सबसे ज्यादा फीस चार्ज करने वाली अदाकाराओं में गिनी जाती हैं। खबरों की मानें तो अनुष्का शेट्टी अपनी एक फिल्म के लिए 4-5 करोड़ रुपये तक चार्ज करती है। इसके अलावा उनके पास विज्ञापनों की भी कोई कमी नहीं है। अनुष्का शेट्टी की टोटल नेट वर्थ 140 करोड़ रुपये के आसपास बताई जाती है। हैदराबाद के जुबली हिल्स में उनके पास एक आलीशान मकान है जिसमें कोई भी रहना चाहेगा। घर के अलावा अनुष्का शेट्टी के शौक ऐसे हैं जिन्हें हर कोई अफोर्ड नहीं कर सकता। खबरों की मानें तो अनुष्का को गाड़ियों का शौक है। उनके पास टोयोटा कोरोला, बीएमडब्ल्यू 6, ऑडी क्यू5 और ऑडी क्यू6 जैसी कई लग्जरी कारें है।

फिर काम में जुटीं सामंथा

सामंथा रुथ प्रभु की फिल्म यशोदा रिलीज होने वाली है। इस सिलसिले में उन्होंने फिल्म का प्रमोशन भी शुरू कर दिया है। कुछ दिन पहले ही सामंथा ने जानकारी दी कि वह मायोसाइटिस नाम की बीमारी से जूझ रही हैं, जिसकी वजह से मांसपेशियां कमजोर, थकी हुई और दर्दनाक हो जाती हैं। उन्होंने अस्पताल से तस्वीर भी शेयर की थी। बीमारी के बावजूद सामंथा ने बताया कि वह काम में जुट गई हैं। सामंथा ने अपनी 3 तस्वीरें भी शेयर की हैं। उन्होंने ब्लैक आउटफिट पहना हुआ है और मैचिंग ग्लासेस लगाए हैं। सामंथा सोफे पर बैठी हैं और कैमरे की देख रही हैं। सामंथा ने कैप्शन में लिखा - जैसा कि मेरे अच्छे दोस्त राज कहते हैं, कैसा भी दिन हो और कितनी भी बुरी चीजें हो रही हों, आप शॉवर लो, शेव करो और तैयार हो जाओ। मैंने उनसे ये सीख ली है। इससे पहले सामंथा ने अपनी बीमारी के बारे में लिखा, यशोदा ट्रेलर को लेकर जो आपका रिस्पॉन्स मिला वो दिल जीत लेने वाला है। आपके साथ ही मेरा ये प्यार और कनेक्शन है जिससे मुझे ताकत मिलती है जिससे जिंदगी के रास्ते में आने वाली चुनौतियों का सामना कर सकूं।

सोशल मीडिया को सीरियस नहीं लेती जान्हवी

सोशल मीडिया पर जाह्नवी कपूर की इमेज बहुत ग्लैमरस है जबकि फिल्मों में वह इन दिनों बहुत मिडिल क्लास और डाउन टू अर्थ टाइप के किरदार निभा रही हैं। एक्ट्रेस से पूछा गया कि क्या यह एक तरह का विरोधाभास नहीं पैदा करता है। जाह्नवी कपूर ने बताया कि लोग अक्सर उन्हें बताते हैं कि जो फिल्में वो कर रही हैं वो एक खास बीट वाली है। जबकि उनकी सोशल मीडिया इमेज इसके ठीक विपरीत है। जाह्नवी कपूर ने कहा कि वो मुझे बताते हैं कि अगर लोग मुझे लगातार उस तरह के गेटअप में देखते रहेंगे तो वह फिल्मों में मेरे इस तरह के किरदारों को खास रिस्पॉन्स नहीं देंगे।

OZONE®
FOR A SAFER WORLD
किचन और फर्निचर फिटिंग्स

लोड ले सालों चले

हम सब संभाल लेंगे

अर्गोटेक स्लिम ड्रावर सिस्टम

अर्गोटेक स्टैंडर्ड ड्रावर सिस्टम

अन्डरमाउंट टेलीस्कोपिक चैनल

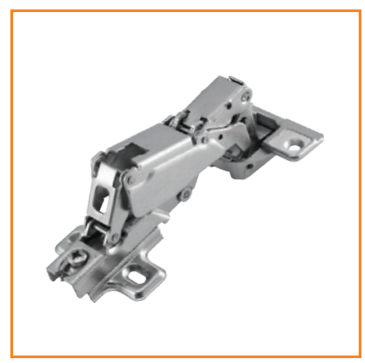
वाइड ओपनिंग कॉर्नर हिंजस

15 साल तक की वारंटी*
100 किलो तक वज़न उठाने की क्षमता
सॉफ्ट क्लोज में उपलब्ध
50,000* साइकल्स टेस्टेड प्रोडक्ट्स

किचन फिटिंग्स की जानकारी के लिए, संपर्क करें: 09310012300

पूर्ण ओज़ोन प्रोडक्ट्स की जानकारी के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें

*नियम व शर्तें लागू